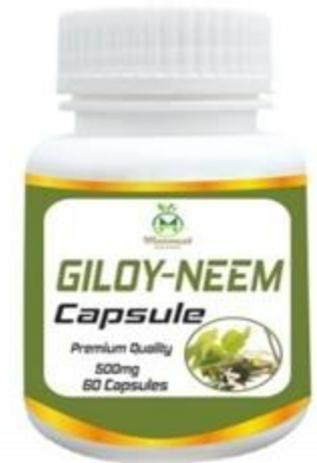


MANMESH INDUSTRIES PVT.LTD.



**WORLD BEST
GILOY & NEEM CAPSULE**

गिल्लोय और नीम



BENEFITS

100% Natural
Boosts immunity
Helps in detoxification
Improves digestive system
Tulsi is beneficial for skin
Neem is known for its
antiseptic properties



गिलोय और नीम के औषधीय गुण :

आयुर्वेद के अनुसार गिलोय की पत्तियां, जड़ें और तना तीनों ही भागों सेहत के लिए बहुत गुणकारी हैं लेकिन बीमारियों के इलाज में सबसे ज्यादा उपयोग गिलोय के तने या डंठल का ही होता है। गिलोय में बहुत अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं साथ ही इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और कैंसर रोधी गुण होते हैं। इन्हीं गुणों की वजह से यह बुखार, पीलिया, गठिया, डायबिटीज, कब्ज, एसिडिटी, अपच, मूत्र संबंधी रोगों आदि से आराम दिलाती है। बहुत कम औषधियां ऐसी होती हैं जो वात, पित्त और कफ तीनों को नियंत्रित करती हैं, गिलोय उनमें से एक है। गिलोय & नीम (Giloy & Neem) का मुख्य प्रभाव टॉक्सिन (विषैले हानिकारक पदार्थ) पर पड़ता है और यह हानिकारक टॉक्सिन से जुड़े रोगों को ठीक करने में असरदार भूमिका निभाती है।

गिलोय में पाए जाने वाले पोषक तत्व :

गिलोय में गिलोइन नामक ग्लूकोसाइड और टीनोस्पोरिन, पामेरिन एवं टीनोस्पोरिक एसिड पाया जाता है। इसके अलावा गिलोय में कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस, जिंक, कैल्शियम और मैगनीज भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं।



MANMESH INDUSTRIES PVT.LTD



Neem Giloy Energy & Immunity Booster capsules commonly used in viral fever, cough, disorders of the skin, jaundice, piles and high levels in blood sugar. In addition, it contributes to strengthening the body's immunity

Giloy has been integral part of India Ayurvedic system but the general public has become acquainted with it because of coronavirus. The reason behind this is that Giloy is known for its powerful medicinal properties....



Giloy, neem known for its immunity building properties, can also be extremely beneficial to control blood sugar levels and prevent diabetes...



गिलोय और नीम में पाए जाने वाले पोषक तत्व.....



गिलोय और नीम एक प्रकार की बेल है जो आमतौर पर जंगलों-झाड़ियों में पाई जाती है। प्राचीन काल से ही गिलोय को एक आयुर्वेदिक औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। गिलोय और नीम के फायदों को देखते हुए ही हाल के कुछ सालों से अब लोगों में इसके प्रति जागरुकता बढ़ी है और अब लोग गिलोय की बेल अपने घरों में लगाने लगे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि गिलोय की पहचान करना बहुत आसान है। इसकी पत्तियों का आकार पान के पत्तों के जैसा होता है और इनका रंग गाढ़ा हरा होता है। आप गिलोय को सजावटी पौधे के रूप में भी अपने घरों में लगा सकते हैं।

गिलोय को गुडूची (Guduchi), अमृता आदि नामों से भी जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गिलोय की बेल जिस पेड़ पर चढ़ती है उसके गुणों को भी अपने अंदर समाहित कर लेती है, इसलिए नीम के पेड़ पर चढ़ी गिलोय की बेल को औषधि के लिहाज से सर्वोत्तम माना जाता है। इसे नीम और गिलोय (Neem & giloy) के नाम से जाना जाता है।

डायबिटीज (Giloy benefits for diabetes)

विशेषज्ञों के अनुसार गिलोय हाइपोग्लाइसेमिक एजेंट की तरह काम करती है और टाइप-2 डायबिटीज को नियंत्रित रखने में असरदार भूमिका निभाती है। ब्लड शुगर के बढे स्तर को कम करती है, इन्सुलिन का स्राव बढ़ाती है और इन्सुलिन रेजिस्टेंस को कम करती है। इस तरह यह डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत उपयोगी औषधि है।

डेंगू (Giloy benefits for dengue)

डेंगू से बचने के घरेलू उपाय के रूप में गिलोय का सेवन करना सबसे ज्यादा प्रचलित है। डेंगू के दौरान मरीज को तेज बुखार होने लगते हैं। गिलोय में मौजूद एंटीपायरेटिक गुण बुखार को जल्दी ठीक करते हैं साथ ही यह इम्युनिटी बूस्टर की तरह काम करती है जिससे डेंगू से जल्दी आराम मिलता है।

(Giloy benefits for indigestion)

अगर आप पाचन संबंधी समस्याओं जैसे कि कब्ज, एसिडिटी या अपच से परेशान रहते हैं तो गिलोय आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। गिलोय का काढ़ा, पेट की कई बीमारियों को दूर रखता है। कब्ज और अपच से छुटकारा पाने के लिए गिलोय और नीम का रोजाना सेवन करें।

खांसी (Giloy & Neem benefits for cough) :

अगर कई दिनों से आपकी खांसी ठीक नहीं हो रही है तो गिलोय और नीम का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। गिलोय और नीम में एंटीएलर्जिक गुण होने के कारण यह खांसी से जल्दी आराम दिलाती है। खांसी दूर करने के लिए गिलोय के काढ़े का सेवन करें।

बुखार (Giloy & Neem benefits for fever) :

गिलोय में ऐसे एंटीपायरेटिक और नीम गुण होते हैं जो पुराने से पुराने बुखार को भी ठीक कर देती है। इसी वजह से मलेरिया, डेंगू और स्वाइन फ्लू जैसे गंभीर रोगों में होने वाले बुखार से आराम दिलाने के लिए गिलोय के सेवन और नीम की सलाह दी जाती है।

इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक Giloy ,Neem Increase immunity
बीमारियों को दूर करने के अलावा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना भी फायदे (Giloy & Neem) में शामिल है। गिलोय और नीम का नियमित सेवन शरीर की इम्युनिटी पावर को बढ़ता है जिससे सर्दी-जुकाम समेत कई तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है।



Neem & Giloy Capsule Benefits

Giloy & Neem that helps reduce stress and fatigue, which are regarded as main root cause of all lifestyle disorders. Neem is renowned for its antimicrobial properties and is good for skin health. Neem has been used traditionally in managing many skin problems...

NEEM & GILOY 6 BEST BENEFITS

- 1: Giloy & Neem for chronic fever.....
- 2: Giloy & Neem For Corona-virus infection..
- 3: Controls blood sugar level.....
- 4: Boosts immunity.....
- 5: Improve digestion.. 6: Reduces stress..

Fresh Tulsi and Neem-grown Giloy



Benefits of Giloy मरीजों के लिए फायदेमंद गिलोय

गिलोय एनीमिया दूर करने में सहायक है. पीलिया के मरीजों के लिए भी गिलोय के पत्ते को फायदेमंद माना जाता है. ...हाथ-पैरों में जलन या स्किन एलेर्जी से परेशान लोग भी इसे डाइट में शामिल कर सकते हैं.,पेट से जुड़ी कई बीमारियों में गिलोय का इस्तेमाल करना बड़ा फायदेमंद होता है.

Neem Benefits - नीम के फायदे, औषधीय गुण, लाभ

नीम में एंटीसेप्टिक, एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट संबंधी कई तत्व पाए जाते हैं, जो दांतों को सड़न व विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से बचाते हैं। रोजाना नीम की दातुन करने से मुंह को बदबू से बचाया जा सकता है। बालों को मजबूत बनाएं नीम से ... त्वचा को रोगमुक्त रखने के लिए नीम ..मधुमेह के लक्षणों को कम करने में नीम करे मदद

Giloy & Neem might be one to consider. It's a climbing shrub and an essential herb in Ayurvedic medicine. People take it to support general wellness and treat a wide range of conditions, including fever, infections, and diabetes.



THANK
YOU



**They're known
to have
therapeutic
benefits for**
blood pressure
pain relief
malaria
intestinal spasms
fever
urinary problems
asthma
dysentery
diarrhea
skin infections
Hansen's disease
(formerly called
leprosy)
diabetes
gout
jaundice
anorexia
eye conditions







